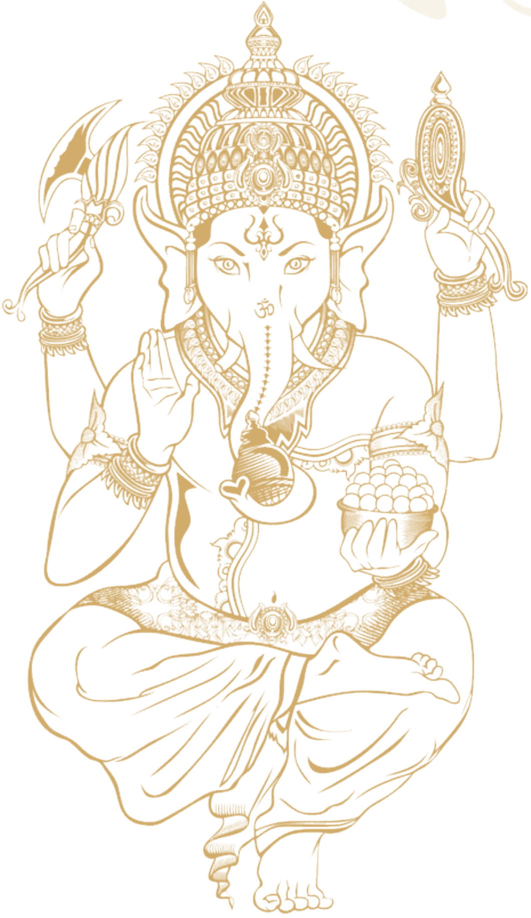

S/O Suprim -Karishma Kala

06 Dec 2025

08:36 AM

Aurangabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120464002

लिंग : पुल्लिंग

जन्म तिथि : 06/12/2025

दिन : शनिवार

जन्म समय : 08:36:15 घंटे

इष्ट : 04:24:36 घटी

स्थान : Aurangabad

राज्य : Maharashtra

देश : India

अक्षांश : 19:52:00 उत्तर

रेखांश : 75:22:00 पूर्व

मध्य रेखांश : 82:30:00 पूर्व

स्थानिक संस्कार : -00:28:32 घंटे

ग्रीष्म संस्कार : 00:00:00 घंटे

स्थानिक समय : 08:07:43 घंटे

वेलान्तर : 00:08:57 घंटे

साम्पातिक काल : 13:08:22 घंटे

सूर्योदय : 06:50:24 घंटे

सूर्यास्त : 17:49:00 घंटे

दिनमान : 10:58:36 घंटे

सूर्य स्थिति(अयन) : दक्षिणायन

सूर्य स्थिति(गोल) : दक्षिण

ऋतु : हेमन्त

सूर्य के अंश : 20:01:12 वृश्चिक

लग्न के अंश : 13:17:05 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति : धनु - गुरु

राशि-स्वामी : मिथुन - बुध

नक्षत्र-चरण : मृगशिरा - 4

नक्षत्र स्वामी : मंगल

योग : शुभ

करण : तैतिल

गण : देव

योनि : सर्प

नाड़ी : मध्य

वर्ण : शूद्र

वश्य : मानव

वर्ग : मार्जार

युँजा : पूर्व

हंसक : वायु

जन्म नामाक्षर : की-किशोर

पाया(राशि-नक्षत्र) : ताम्र - स्वर्ण

सूर्य राशि(पाश्चात्य) : धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:17:05	340:08:59	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	20:01:12	01:00:52	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	06:32:16	15:06:06	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	वृश्चि	28:53:23	00:44:46	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			तुला	29:33:06	00:51:47	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
गुरु	व		मिथु	29:57:04	00:04:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	12:25:40	01:15:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
शनि			मीन	00:59:40	00:00:51	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	19:17:11	00:11:20	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	19:17:11	00:11:20	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:37:23	00:02:24	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:09:27	00:00:09	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:47:49	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	24:18:27	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:13

लग्न-चलित

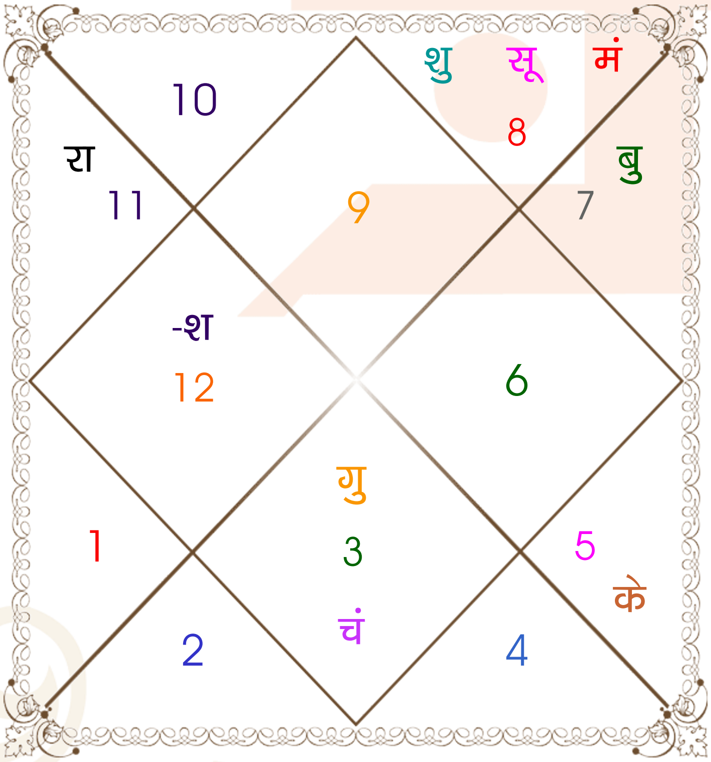

चन्द्र कुंडली

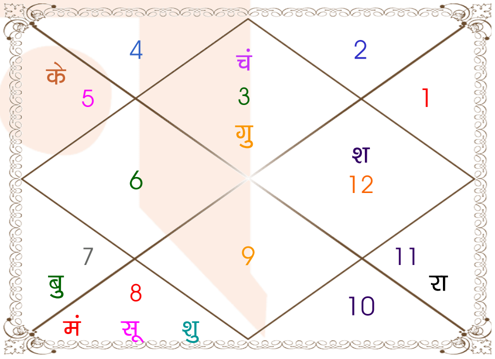

नवमांश कुंडली

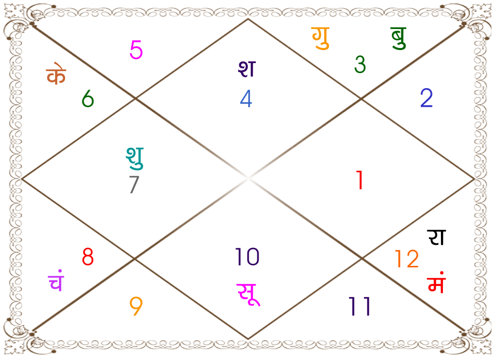

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 0 मास 24 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/12/2025		31/12/2025		31/12/2043		31/12/2059		31/12/2078	
31/12/2025		31/12/2043		31/12/2059		31/12/2078		31/12/2095	
	00/00/0000	राहु	12/09/2028	गुरु	17/02/2046	शनि	03/01/2063	बुध	28/05/2081
	00/00/0000	गुरु	05/02/2031	शनि	31/08/2048	बुध	12/09/2065	केतु	26/05/2082
	00/00/0000	शनि	12/12/2033	बुध	06/12/2050	केतु	22/10/2066	शुक्र	26/03/2085
	00/00/0000	बुध	01/07/2036	केतु	12/11/2051	शुक्र	21/12/2069	सूर्य	30/01/2086
	00/00/0000	केतु	19/07/2037	शुक्र	13/07/2054	सूर्य	03/12/2070	चंद्र	01/07/2087
	00/00/0000	शुक्र	19/07/2040	सूर्य	02/05/2055	चंद्र	04/07/2072	मंगल	28/06/2088
	00/00/0000	सूर्य	13/06/2041	चंद्र	31/08/2056	मंगल	13/08/2073	राहु	15/01/2091
	06/12/2025	चंद्र	13/12/2042	मंगल	06/08/2057	राहु	19/06/2076	गुरु	22/04/2093
चंद्र	31/12/2025	मंगल	31/12/2043	राहु	31/12/2059	गुरु	31/12/2078	शनि	31/12/2095

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
31/12/2095		01/01/2103		01/01/2123		31/12/2128		01/01/2139	
01/01/2103		01/01/2123		31/12/2128		01/01/2139		07/12/2145	
केतु	28/05/2096	शुक्र	02/05/2106	सूर्य	20/04/2123	चंद्र	01/11/2129	मंगल	30/05/2139
शुक्र	28/07/2097	सूर्य	03/05/2107	चंद्र	20/10/2123	मंगल	02/06/2130	राहु	16/06/2140
सूर्य	03/12/2097	चंद्र	31/12/2108	मंगल	25/02/2124	राहु	02/12/2131	गुरु	23/05/2141
चंद्र	04/07/2098	मंगल	02/03/2110	राहु	19/01/2125	गुरु	02/04/2133	शनि	02/07/2142
मंगल	30/11/2098	राहु	02/03/2113	गुरु	07/11/2125	शनि	01/11/2134	बुध	29/06/2143
राहु	19/12/2099	गुरु	01/11/2115	शनि	20/10/2126	बुध	01/04/2136	केतु	26/11/2143
गुरु	25/11/2100	शनि	01/01/2119	बुध	26/08/2127	केतु	31/10/2136	शुक्र	25/01/2145
शनि	04/01/2102	बुध	01/11/2121	केतु	01/01/2128	शुक्र	02/07/2138	सूर्य	02/06/2145
बुध	01/01/2103	केतु	01/01/2123	शुक्र	31/12/2128	सूर्य	01/01/2139	चंद्र	07/12/2145

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 0 मा 25 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किज्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।